विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

किड्स, वायु एवं हर घर तिरंगा

आज़ादी का अमृत महोत्सव

(भारतीय झंडा संहिता एवं तिरंगे के बारे में एक चित्रकथा)

डॉ. रविंद्र खैवाल

डॉ. सुमन मोर

किड्स, वायु एवं हर घर तिरंगा

(भारतीय झंडा संहिता एवं तिरंगे के बारे में एक चित्रकथा)

भारत ने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की और 2022 में स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे किए। इस उपलब्धि को चिह्नित करने एवं इन वर्षों में हुई प्रगति को दर्शाने के लिए भारत सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव शुरू किया।

'आजादी का अमृत महोत्सव' एवं 'अमृत काल' के अंतर्गत, 'हर घर तिरंगा' अभियान, लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज लाने एवं फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया है। यह अभियान राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक व्यक्तिगत संबंध बनाने में मदद करेगा ताकि हम सभी देशवासी एक साथ खड़े रहें एवं अपने गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें।

इसे ध्यान में रखते हुए, हम यह पुस्तिका किड्स, वायु एवं हर घर तिरंगा लेकर आए हैं, जिसका उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना एवं हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना है। आइए हमारे राष्ट्रीय ध्वज एवं उसके इतिहास के बारे में कुछ रोचक तथ्य जानें। इसके अलावा, इस कॉमिक में बच्चों एवं जनता को भारत के ध्वज संहिता को चित्रात्मक एवं आसान शब्दों में समझाने की कोशिश की गयी है ताकि हमारे राष्ट्रीय ध्वज के पूर्ण सम्मान को सुनिश्चित किया जा सके ।

आइए 'हर घर तिरंगा' अभियान का हिस्सा बनें, अपने भारतीय होने पर गर्व करें, वैश्विक प्रगति एवं शांति में अपना योगदान दें। जय हिन्द! जय भारत!

भारत के किसी गांव में लोग 'मन की बात' सुनते हुए।
मेरे प्यारे देशवासियों, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' एवं 'अमृत काल' के तहत एक विशेष आंदोलन 'हर घर तिरंगा-घर घर तिरंगा' का आयोजन 9 से 15 अगस्त के दौरान किया जा रहा है।
आइए 13 से 15 अगस्त के दौरान अपने घर पर तिरंगा फहराकर इस आंदोलन का हिस्सा बनें।
मोदी जी ने तो कहा है कि 'तिरंगा हमे एकता बनाये रखने के लिए एवं देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देता है।' पर कैसे?
हर घर तिरंगा अभियान
9th-15th
अगस्त
बच्चों! क्या आप हर घर तिरंगा अभियान के बारे में जानते हो?
हर घर तिरंगा
एक विशेष अभियान... आयोजित किया जाएगा
हर घर तिरंगा अभियान
हर घर तिरंगा?

क्या तुमने हर घर तिरंगा अभियान के बारे में सुना है?
हर घर तिरंगा अभियान?
तिरंगा हमें देश के प्रति कुछ करने के लिए कैसे प्रेरित करता है?
आज़ादी का अमृत महोत्सव क्या है?
आज़ादी के महोत्सव के बाद तिरंगे को सम्भाल कर कैसे रखना है?
इतने सारे प्रश्न? हमारी मदद कौन करेगा?
मुझे पता है कि हमारी मदद कौन कर सकता है। चलो! वायु को बुलाते हैं !
वायु...
वायु...
वायु...
वायु...

वायु पैंगोंग त्सो झील में सशस्त्र बलों के साथ तिरंगे को सलामी देते हुए।

जय हिन्द
जय हिन्द
जय हिन्द

बच्चे क्यों बुला रहे हैं? मुझे उनसे मिलने जाना होगा।

वायु हाथ में तिरंगे लिए आ रहा है।

अरे वाह ! तिरंगा।

नमस्ते बच्चों,
घर में तिरंगा फहराने के लिए मैं आपके एवं आपके दोस्तों के लिए तिरंगे लाया हूँ।
धन्यवाद, वायु!
बच्चों, तुम सब कैसे हो? ऐसा लगता है कि हर घर तिरंगा अभियान के बारे में तुम्हारे कुछ सवाल है।
हाँ, वायु। तुमने बिलकुल सही समझा!
माननीय प्रधानमन्त्री जी ने हमें तिरंगे को फहराने के लिए कहा है, उस बारे में हमारे कुछ प्रश्न हैं। क्या आप हमरी मदद कर सकते है?
क्यों नहीं? बताओ बच्चों!
वायु, हम हर घर तिरंगा अभियान किस लिए मना रहे हैं?
हर घर तिरंगा अभियान के बारे मे हमे कुछ बताओ?
ठीक है, बच्चों! मैं आपको इसके बारे में समझाता हूँ।

बच्चों, 'हर घर तिरंगा अभियान' आज़ादी का 'अमृत महोत्सव' एवं 'अमृत काल' के अंतर्गत शुरू किया अभियान है।
इसमें लोगो को आजादी के महोत्सव को मनाने के लिए अपने घरो में तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया है।
वायु, विकसित भारत @2047 क्या है ?
वायु ! अमृत काल क्या है ?
'आज़ादी का अमृत महोत्सव' 12 मार्च 2021 को शुरू हुआ। यह आज़ादी के 75 वर्ष एवं हमारे लोगों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति एवं उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक सामूहिक जन अभियान है। 2022 से 2047 के बीच का समय 'अमृत काल' है।

बच्चों ! विकसित भारत@2047 का उद्देश्य आजादी के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह दृष्टिकोण आर्थिक विकास, सुशासन, पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक प्रगति सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित करता है। विकसित भारत के अंतरगत चार मुख्य वर्गों गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी वर्ग के सशक्तिकरण की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है।
वायु ! विकसित भारत अभियान 2047 , को सफल करने के लिए हम सब मिलकर अपना योगदान देगें !
01
आर्थिक विकास
एक मजबूत, लचीली अर्थव्यवस्था जो उद्यमिता, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता के माध्यम से अवसर और उच्च जीवन स्तर प्रदान करती है।
सुशासन
ठोस नीतियों, जवाबदेही और विश्वसनीय डेटा, टीम वर्क और सहानुभूति के आधार पर त्वरित कार्रवाई के साथ चुस्त शासन।
02
विकसित भारत
@2047
04
पर्यावरणीय स्थिरता
एक स्वच्छ, हरित वातावरण जो जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करता है, बहाली, संरक्षण और लचीलेपन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को संबोधित करता है।
सामाजिक प्रगति
एक समावेशी समाज जो न्याय, समानता और विविधता की नींव के साथ सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए सभी के लिए सम्मान और कल्याण सुनिश्चित करता है।
03
विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

इतिहास के मील के पत्थर, गुमनाम नायकों को याद करना।

स्वतंत्रता संग्राम

यह विषय आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत हमारी स्मारक पहल पर प्रकाश डालता है। स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए हमारे गुमनाम नायकों की कहानियों एवं बलिदानों को याद करने के लिए यह विषय रखा गया है । यह हमें 15 अगस्त 1947 को प्राप्त स्वतंत्रता की भारतीय ऐतिहासिक यात्रा में प्रमुख मील के पत्थर एवं स्वतंत्रता आंदोलनों के विषयों में बताता है।

उन विचारों एवं आदर्शों पर आधारित है जिन्होंने देश को आकार देने में योगदान दिया है।

विचार@75

जैसे-जैसे हम अमृत काल की ओर बढ़ते हैं, जिसमें 25 वर्ष शामिल हैं, 2022 (India@75) और 2047 (India@100) के बीच, यह थीम उन कार्यक्रमों एवं घटनाओं पर ज़ोर देता है। जो हमें तरक्की करने में मदद करते हैं एवं हमें एक नई दुनिया की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें वसुधैव कुटुम्बकम के प्रति अपने विचारों और मूल्यों पर विश्वास करने की आवश्यकता है।

विशिष्ट लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धताओं को सुदृढ़ करना।

संकल्प @75

हम सभी को एकजुट होने एवं अपने देश के भाग्य को संवारने में योगदान देने की जरूरत है। यह विषय हम सभी को एक नागरिक, एक समुदाय, एक समाज के रूप में, या शासन एवं संस्था के एक हिस्से के रूप में अपने देश के विकास के लिए उसकी ताकत बनने के लिए हमारी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

नीतियों को लागू करने एवं प्रतिबद्धताओं को साकार करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर प्रकाश डालना।

संग्राम@75

भारत को नई ऊंचाइयों को छूने की जरूरत है क्योंकि कोविड युग के बाद एक नई विश्व व्यवस्था स्थापित हो रही है। यह विषय भारत के प्रयासों, योगदानों, सही विषय, नीतियों को लागू करने व् सरकार की स्थानीय एवं वैश्विक प्रतिबद्धताओं को साकार करने पर केंद्रित है।

विभिन्न क्षेत्रों में विकास एवं प्रगति का प्रदर्शन

उपलब्धियां@75

भारत के गौरवशाली इतिहास का विज्ञान एवं समाज की तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस विषय के माध्यम से, स्वतंत्रता के बाद एवं 5000 वर्षों के प्राचीन इतिहास की विरासत के साथ हमारी साझा उपलब्धियों का सार्वजनिक विवरण करना है।

अरे वाह ! हमारी आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया गया है। जिसमे लोगों को तिरंगे को अपने घर पर ले जाने एवं इसे फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है!

हाँ, बच्चों! इस अभियान का उद्देश्य ध्वज के साथ एक व्यक्तिगत एवं भावनात्मक बंधन बनाना है तथा देशवासियों को एकजुटता के लिए खड़ा करना है। 'हर घर तिरंगा' अभियान, देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देगा एवं हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाएगा।

वायु, यह दिलचस्प है!

ठीक है, वायु!

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ॥
मां और मातृभूमि स्वर्ग से भी बड़ी हैं।

हर घर तिरंगा

जय हिन्द!

बच्चों, मैं आपसे हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में कुछ प्रश्न पूछना चाहता हूँ।

ज़रूर, वायु!

अच्छा बताओ, हमारे तिरंगे की रचना किसने की?

मुझे यह पता है। श्री पिंगली वेंकय्या ने हमारे राष्ट्रीय ध्वज की रचना की। वे आंध्र प्रदेश के एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे।

वाह। बिल्कुल सही!

अथाहिंसा क्षमा सत्यं ह्रीश्रद्धेन्द्रिय संयमाः।
दानमिज्या तपो ध्यानं दशकं धर्म साधनम्॥

अहिंसा, क्षमा, सत्य, लज्जा, श्रद्धा, इन्द्रियों पर नियंत्रण, दान, यज्ञ, तप और ध्यान- ये दस धर्म के साधन हैं।

यतो धर्मः ततो जयः ॥
जहां धर्म है, वहां विजय होगी।

स्वतंत्रता दिवस
15 अगस्त
गणतंत्र दिवस
15 अगस्त
अच्छा बच्चों, अब मुझे बताओ कि हम अपना राष्ट्रीय ध्वज कब फहराते हैं एवं यह क्या दर्शाता है?
स्वतंत्रता दिवस पर हमारी आज़ादी के उपलक्ष्य में ध्वज फहराया जाता है।
जिस तिथि को भारत का संविधान लागू हुआ, उस तिथि को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाने के लिए राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है।
तुम प्रतिभाशाली हो बच्चो!
वायु, हमारे शिक्षक ने भारतीय झंडा संहिता 2002 के बारे में कुछ कहा था। क्या आप इसे समझा सकते हैं?
हाँ, बच्चों! भारतीय झंडा संहिता यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करती है कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज को पूर्ण सम्मान मिले तथा गरिमापूर्ण तरीके से पूरी शान के साथ ऊंचा फहराया जाए।
धन्यवाद, वायु! हमें यह सब बताने के लिए।

राष्ट्रीय ध्वज कैसे फहराएं :

भारत का राष्ट्रीय ध्वज व्यक्तियों, संगठनों या सरकारी अधिकारियों द्वारा खुले में फहराया जाना चाहिए ।

राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान दिया जाना चाहिए एवं उसे स्वच्छ स्थान पर रखा जाना चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज दिन या रात किसी भी समय फहराया जा सकता है।

जब राष्ट्रीय ध्वज दीवार पर सपाट एवं क्षैतिज रूप से लगा हो तो केसरिया बैंड सबसे ऊपर होना चाहिए। जब राष्ट्रीय ध्वज को लंबवत रूप से लटकाया जाता है, तो केसरी पट्टी देखने वाले व्यक्ति के बाईं ओर होना चाहिए।

यदि राष्ट्रीय ध्वज ईमारत के अगले हिस्से या बालकनी या खिड़की पर आड़े या तिरछे फहराया जाए तो राष्ट्रीय ध्वज की केसरी पट्टी डंडे के सिरे की ओर होगा जो खिड़की के छज्जे, बालकनी या अगले हिस्से से सबसे दूर हो।

जब तक भारत सरकार अधिसूचित न करे, राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुकाकर नहीं फहराना चाहिए। जब राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका होता है, तो इसे पहले कर्मचारियों के शीर्ष पर उठाया जाना चाहिए एवं फिर इसे आधा झुकाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज को उतारने से पहले, इसे फिर से अपने उच्चतम बिंदु पर उठाना चाहिए।

इन बातों को ध्यान में रखें:

राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग हमेशा ऊपर रहेगा। केसरिया रंग को नीचे प्रदर्शित करते हुए नहीं लहराया जाएगा।

फटा हुआ या मैला कुचला झंडा नहीं फहराया जाएगा।

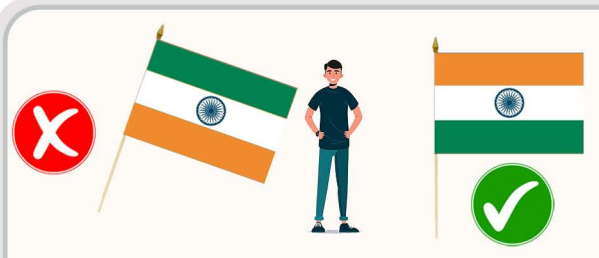

किसी वस्तु को या व्यक्ति को सलामी देने के लिए झंडे को झुकाया नहीं जाएगा।

झंडे का प्रयोग बंदनवार, झंडियां बनाने या किसी दूसरे प्रकार की सजावट के लिए नहीं किया जाएगा

झंडे को जानबूझकर ज़मीन अथवा फ़र्श को छूने अथवा पानी में डूबने नहीं दिया जाएगा।

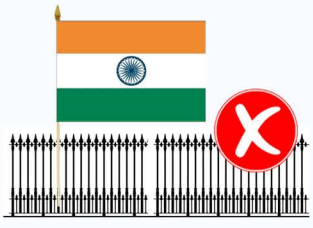

झंडे को इस तरह से फहराया या बांधा न जाएं जिससे वह क्षतिग्रस्त हो।

झंडे को किसी अन्य झंडे अथवा झंडों के साथ एक ही समय में एक ही ध्वज दंड से नहीं फहराया जाएगा। किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय झंडे से ऊँचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा।

राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग स्पीकर की मेज को ढंकने के लिए नहीं किया जा सकता है। न ही इसे मंच पर लपेटा जा सकता है।

इन बातों को ध्यान में रखें:

राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी चीज़ के लिए पर्दे के रूप में , इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

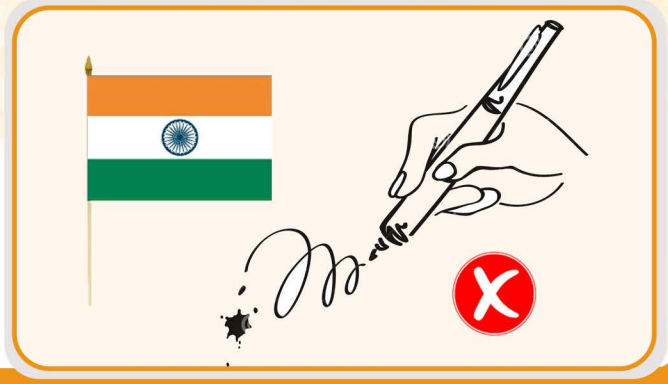

राष्ट्रीय ध्वज पर कोई लेखन नहीं होगा।

राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग चीजों को लपेटने, प्राप्त करने या वितरित करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग कार के किनारे, पीछे या ऊपर ढकने के लिए नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर, बगल में या उससे ऊंचा कोई अन्य ध्वज नहीं रखा जा सकता है। इसके अलावा, ध्वज के मस्तूल पर या उसके ऊपर कुछ भी, फूल या माला भी नहीं लगाई जा सकती है, जिसपे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है।

कोई भी कमर के नीचे राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग पोशाक, वर्दी या किसी भी प्रकार की उपसाधन के हिस्से के रूप में नहीं कर सकता है। इसे तकिए, रूमाल, नैपकिन, अंडरवियर, या किसी अन्य पोशाक सामग्री पर कढ़ाई या मुद्रित नहीं किया जा सकता है।

बच्चों, याद रखें कि ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान होगा।
ठीक है वायु।
कोई भी व्यक्ति जो किसी सार्वजनिक स्थान पर या किसी भी ऐसे स्थान पर जो सार्वजनिक रूप से दृष्टिगोचर हो,भारतीय राष्ट्रीय झंडे या उसके किसी भाग को जलाता है विकृत करता है विरूपित करता है दूषित करता है कुचलता है अथवा किसी तरीक़े से अपमान करता है उसे 3 वर्ष तक के कारावास से या जुर्माने से या दोनों से दंडित किया जाएगा।
हाँ, वायु, अगर कोई ऐसा करेगा तो हम पुलिस को सूचित करेंगे।
बहुत अच्छा, बच्चों!

बच्चों, क्या आप जानते हैं कि आप हर घर तिरंगा अभियान के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी कर सकते हैं?

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

हर घर तिरंगा
13-15 अगस्त, के दौरान
अपने घर पर झंडा फहराएं

सच में? कृपया हमें और बताएं।

कृपया वेबसाइट https://harghartirang.com/ पर जाएं एवं यह नीचे की तरह स्क्रीन दिखाएगा एवं आपको निम्नलिखित स्टेप्स को पूरा करने की आवश्यकता है।

हर घर तिरंगा
13-15 अगस्त, के दौरान
अपने घर पर झंडा फहराएं
झंडा लगाकर अपनी प्रतिबद्धता दिखाएं

यह बहुत उपयोगी वेबसाइट है।

मैंने अभी पंजीकरण किया है एवं अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। अद्भुत।

हमें दिखाओ। हमें दिखाओं!

यह एक आसान वेबसाइट है। हमें हमारा प्रमाणपत्र भी मिल जाएगा। क्या आपने अपना प्राप्त किया?

हाँ बच्चों! आप 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए एक डिजिटल राष्ट्रीय ध्वज एवं संसाधन भी प्राप्त कर सकते हैं।

क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय ध्वज का सम्मानजनक निपटान

तरीका-1

प्रतिष्ठित लकड़ी का डिब्बा लाएं

राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक तह लगाकर डिब्बे में रखें

डिब्बे को ज़मीन में दफना दें

दफनाए हुए राष्ट्रीय ध्वज के स्थान को पत्थर से चिन्हित करें

तरीका-2

आग जलाएं

राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक तह करें

तह हुए राष्ट्रीय ध्वज को सावधानी से आग के ऊपर रखें

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए कुछ समय निकालें

तरीका-3

कृत्रिम राष्ट्रीय ध्वज के पुनर्चक्रण पर विचार करें

हमारा ध्वज, हमारा गौरव

उत्सव के बाद कागज के राष्ट्रीय ध्वज को जमीन पर नहीं फेंकना चाहिए। इसे किसी भी उपरोक्त विधि से सम्मान पूर्वक निपटाना चाहिए।

यदि आप देखते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज का अनादर हो रहा है, तो कृपया इसे उठाएं एवं सम्मान के साथ इसका निपटान करें।

राष्ट्रीय ध्वज को तह करने का सही तरीका

तरीका-1

राष्ट्रीय ध्वज को क्षैतिज रूप से रखें

तरीका-2

केसरिया एवं हरे रंग की पट्टियों को बीच की सफेद पट्टी के नीचे मोड़ें

तरीका-3

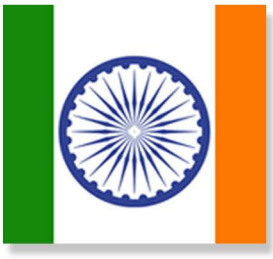

सफेद पट्टी को इस प्रकार मोड़ें कि केसरिया एवं हरे रंग की पट्टियों के साथ केवल अशोक चक्र दिखाई दे

तरीका-4

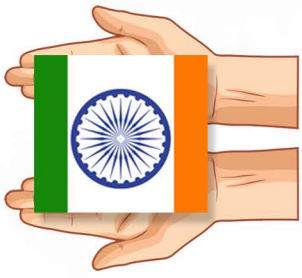

तह लगाए हुए राष्ट्रीय ध्वज को हथेलियों या हाथों पर रखें

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

राष्ट्रीय ध्वज के बारे में रोचक तथ्य

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता से ठीक पहले 22 जुलाई 1947 को अंततः स्वीकार किए जाने से पहले के वर्षों में विकसित हुआ था।

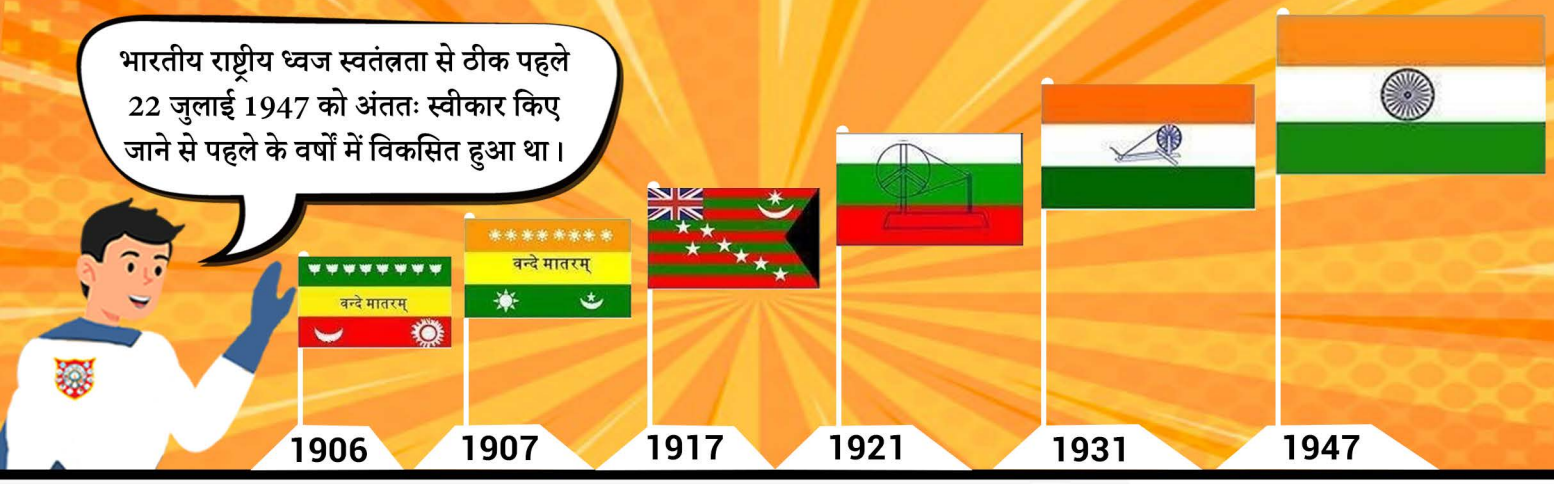

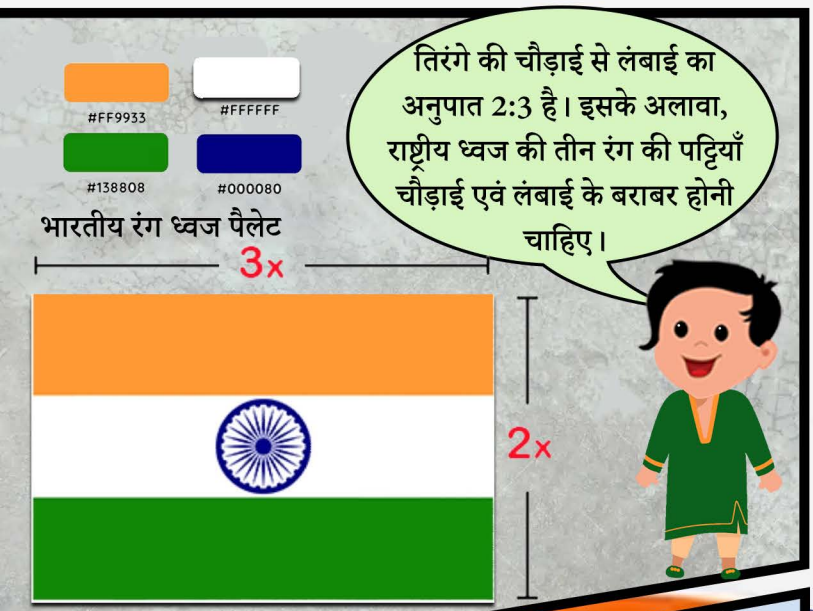

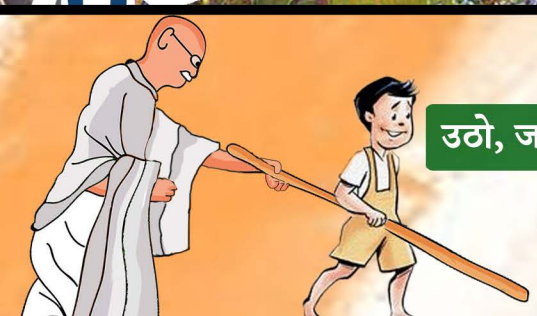

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।

उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाये।

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

किड्स, वायु एवं हर घर तिरंगा

हमारी आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया गया है एवं लोगों को घर पर राष्ट्रीय ध्वज लाने एवं इसे फहराने के लिए प्रेरित किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य ध्वज के साथ एक व्यक्तिगत बंधन बनाना है एवं देशवासियों को एकजुटता के लिए साथ रहने की प्रेरणा देना है ।

'हर घर तिरंगा' अभियान, देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के साथ राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जन जागरूकता भी बढ़ाएगा। आइए हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में कुछ रोचक तथ्य जानें एवं सुनिश्चित करें कि इसे सम्मान के साथ लहराया जाये एवं इसकी महिमा का गुणगान भक्तिभावना के साथ किया जाए ।

आइये इस जन उत्सव को जन भागीदारी के साथ पुरे हर्षोउल्लास के साथ मनाये। जय हिन्द! जय भारत!

अवधारणा, आलेख और विचार:

डॉ. रविंद्र खैवाल
प्रोफेसर, पर्यावरणीय स्वास्थ्य
सामुदायिक चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य विभाग
पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़-160012, भारत
khaiwal@yahoo.com

डॉ. सुमन मोर
प्रोफेसर
पर्यावरण अध्ययन विभाग
पंजाब विश्वविधालय, चंडीगढ़-160014, भारत
sumanmor@yahoo.com

योगदान:

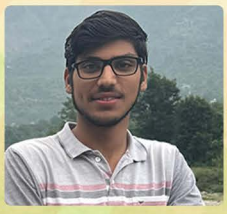

लक्ष्य खैवाल
पंजाब विश्वविधालय, चंडीगढ़, भारत

आदित्य खैवाल
अंकुर स्कूल, चंडीगढ़, भारत

© बिना इज़ाज़त के कोई प्रत्कृति या छपाई की अनुमति नहीं है।
आईएसबीएन: एप्लाइड

पहला संस्करण: अगस्त, 2022
दूसरा संस्करण: अगस्त, 2024